

शुभा २३

प्रावली आज तख्त की गरी प्रत्य वाज  
वादीम इगए बिदो छिया ना चुनाई प्र! आवेक  
दुआगे की कार्यकारी ना मोई जो चित्त गरी  
बदा। अतः आवेक दुआगे की कार्यकारी रूप  
अतः पर समाप्त की गार आवेक गरी प्र बिदो  
अभीज छिया गता है। प्रावली विशल शुभा  
दोहर वाकित दहर ही तेषा के वन है।

रतनी

(M)

सहायक कलक्टर  
(फास्ट-ट्रेक) चौहान

